NAAC का मूल्यांकन–डी.ई.आई. A+ विश्वविद्यालय 1
कठपुतली के माध्यम से शिक्षण अधिगम–राष्ट्रीय कार्यशाला 2
'फन्डामेण्टल्स ऑफ आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स इन एजुकेशन' 3
युवा संसद 2019 4
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 5
संस्कृत–सुबोधिका–15 दिवसीय संस्कृत कार्यशाला 5
'वाणिज्य, प्रबंधन एवं समाज विज्ञान'–एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 5
अभियांत्रिकी संकाय 6
कला संकाय 6
समाज विज्ञान संकाय 7
वाणिज्य संकाय 7
आर. ई. आई. 7
प्रेम विद्यालय 7
एन.सी.सी. 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अप्रैल–जुलाई 2019
अंक 16

NAAC का मूल्यांकन–डी.ई.आई. A+ विश्वविद्यालय

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट का राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के निरीक्षण का कार्य दिनांक 29 से 31 जुलाई 2019 के बीच सम्पन्न हुआ। संस्थान ने सम्पूर्ण लेखा–जोखा नैक टीम के सामने प्रस्तुत किया गया। नैक ने दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट को 4 अंक में से 3.4 अंक देते हुए **A+** ग्रेड प्रदान किया है। टीम ने पाया कि दयालबाग़ की शिक्षानीति के आदर्शों के अनुरूप, उच्च गुणवत्ता युक्त और मूल्यपरक शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट कृतसंकल्पित है। उन्होंने माना कि श्रम और शिक्षा का मतलब बेहतर सामुदायिक विकास की संभावनाओं पर काम करना है। कौशल आधारित शिक्षा आज के समय की ज़रूरत है, जिसके माध्यम से हम एक बेहतर समाज और देश की ज़रूरतों को पूरा करने लायक युवाशक्ति के निर्माण में संलग्न हैं। टीम के सभी सदस्यों ने यह माना कि दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट अपने आध्यात्मिक और नैतिक वातावरण में पूर्ण मनुष्य की सार्थक खोज के पवित्र उद्देश्य से संचालित है। शिक्षा के माध्यम से ही आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का विकास हो सकता है, बेहतर शिक्षा पूर्ण व्यक्तित्व के विकास की अनिवार्य शर्त है, यह तभी संभव है कि जब मनुष्य चेतना को संस्कारित कर मन की गति को नियंत्रित किया जाए।

नैक समूह ने सर्वप्रथम कला संकाय, वाणिज्य संकाय, शिक्षा संकाय, अभियांत्रिकी और सामाजिक विज्ञान संकाय का दौरा किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कौशल विकास पाठ्यक्रमों और शोध कार्यक्रमों को उल्लेखनीय पाया गया। आज जबकि स्ट्राइड (STRIDE) के माध्यम से पूरे देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए माहौल बनाने की तैयारी चल रही है, तब दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के निजी प्रयासों और संसाधनों द्वारा केन्द्रीकृत रूप से स्ट्राइड (STRIDE) के पूर्व ही स्थापित किए गए नौ शोध अनुभागों को टीम ने बेहद उपयोगी और आज की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना करने योग्य पाया। सृजनात्मक विकास और व्यक्तित्व निर्माण के प्रयासों और कोर पाठ्यक्रमों को नैक टीम ने अनूठा पाया, स्नातक और परास्नातक कार्यक्रमों में लैंगिक संवेदनशीलता और पर्यावरण सम्बन्धी अध्ययन पर विशेष रूप से तारीफ़ मिली, टीम ने विशेष तौर पर यह संज्ञान में लिया गया कि दयालबाग़ में कार्यानुभव आधारित शिक्षण की पूरी व्यवस्थित शृंखला मौजूद है।

पाठ्यक्रम की सामाजिक उपादेयता और उसके प्रभावों की व्यापक चर्चा हुई। यह पाया गया कि पाठ्यक्रम मूल्यपरक होने के साथ–साथ आत्मनिर्भर नागरिक बनाने में पूरी तरह सक्षम हैं। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि नैक टीम के सदस्यों ने अलग–अलग रूप से छात्र–छात्राओं और शिक्षकों से प्रश्न किये और पाठ्यक्रम के लक्ष्य और उसकी प्राप्ति के तरीकों से प्रभावित हुए। नैक टीम के सदस्यों ने पाया कि निजीकरण के दौर में जबकि देश के तमाम संस्थान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महंगी फीस को बढ़ावा दे रहे हैं और अभिभावक और छात्र दोनों इससे परेशान हैं, तब इतने कम खर्च पर मूल्य आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अर्जित करना सिर्फ दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के प्रांगण में ही संभव है। यह अनुभव टीम के सदस्यों को आश्चर्यचकित करने वाला था। यह शिक्षा न केवल आगरा बल्कि भारत और विदेश के 430 सेंटर पर भी उपलब्ध है। इसी दिन विश्वविद्यालय के पुराने छात्रों से भी टीम के सदस्य मिले, विश्वविद्यालय के विकास में भूतपूर्व छात्रों के योगदान के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। भूतपूर्व छात्रों ने टीम के सामने इस बात को रखा कि विश्वविद्यालय के गुणात्मक पाठ्यक्रम और सहचर्या कार्यों की वजह से जीवन और समाज को देखने की एक सर्वथा मौलिक दृष्टि मिली जिसके चलते वे जीवन में एक सफल मुकाम हासिल कर सके। शाम को विश्वविद्यालय की ओर से टीम के सामने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला प्रस्तुत की गई। कथक नृत्य, गज़ल गायन, नाटक, वादन और समूह गान की प्रस्तुतियों ने नैक टीम को मंत्रमुग्ध किया। उक्त अवसर पर टीम के अध्यक्ष प्रो. प्रकाश सारंगी ने अपने संबोधन में कहा कि अकादमिक गतिविधियों और सृजनात्मक क्रियाकलाप में दयालबाग़ संस्थान बेजोड़ है। आने वाले वर्षों में निश्चित ही यह शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

विश्वविद्यालय के लिए यह ज़रूरी होता है कि उसका योगदान समाज के भीतर भी दिखाई पड़े। समाज और संस्था के जीवंत रिश्ते की पहचान इस बात से की जा सकती है कि वह विद्यार्थियों के ज्ञान वर्धन के साथ–साथ सामाजिक ज़रूरतों को पूरा करने में किस हद तक सक्षम है। इस लिहाज़ से देखें तो दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट में ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के लिए संस्था की राष्ट्रीय सेवा योजना की मदद से सौ से ज्यादा निःशुल्क चिकित्सा शिविर, सरन आश्रम अस्पताल तथा आयुष विभाग ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से निजात दिलाने में काफी हद तक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खासकर चिकित्सा शिविर के माध्यम से तो सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि रोजगार, कृषि, बैंकिंग आदि से सम्बन्धित परामर्श भी ग्रामीणों को दिये जाते हैं। टीम के सदस्यों ने चिकित्सा शिविर के संयोजक डॉ. विजय कुमार जी और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सौरभमणि से मुलाकात की और विस्तार से शिविर की गतिविधियों की जानकारी ली। सामाजिक उत्थान के लिए इस तरीके की सामुदायिक गतिविधियों के संचालन की सराहना करते हुए और विस्तारित करने की कामना की।

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में भ्रमण के दौरान चौतरफा स्वच्छता और पर्यावरण–मित्र परिवेश ने भी टीम के सदस्यों को आकर्षित किया। ध्यातव्य हो कि मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा किये गये सर्वे में स्वच्छता रैंकिंग में संस्थान को देश में पाँचवां स्थान प्राप्त हो चुका है। पर्यावरण के लिहाज से महत्त्वपूर्ण बायोडायवर्सिटी पार्क, भाषा शिक्षण और संरक्षण के लिहाज़ से बेहद महत्त्वपूर्ण भाषा प्रयोगशाला, आदिवासी और सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाने के लिए सूचना तकनीक के उपकरणों से सुसज्जित कक्षाएँ, खेल प्रांगण और नव निर्मित जिम्नेज़ियम हॉल, छोटे बच्चों के रख–रखाव के लिए प्राकृतिक तरीके से बांस के बने क्रेच, फूड प्रोसेसिंग की लैब तथा वोकेशनल पाठ्यक्रमों के उत्पादों की प्रदर्शनी टीम के सदस्यों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहीं।

नैक परिषद् द्वारा किसी भी विश्वविद्यालय की प्रगति हेतु पांच लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं जो इस प्रकार हैं– शिक्षा राष्ट्रीय प्रगति के लिए, शिक्षा विद्यार्थियों में वैश्विक सक्षमता पैदा करने के लिए, शिक्षा विद्यार्थियों में एक मूल्य व्यवस्था विकसित करने के लिए, शिक्षा में तकनीकी उपयोग का प्रोत्साहन तथा शिक्षा उत्कृष्टता की खोज करने के लिए, नैक टीम के सभी सदस्य इस बात से पूर्ण रूप से सहमत थे कि डी.ई.आई. की शिक्षा पूर्ण रूप से नैक द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करते हुए सामाजिक योगदान और विस्तारित गतिविधियों में अव्वल है, इसके लिए यहाँ के शिक्षक और शिक्षणेतर, कर्मचारियों का समर्पण प्रशंसा योग्य है।

कठपुतली के माध्यम से शिक्षण अधिगम–राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षा संकाय द्वारा पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला–'पपेटरी एण्ड इट्स इन्टीग्रेशन इन टीचिंग–लर्निंग' का शुभारम्भ शिक्षा संकाय, दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट, दयालबाग़, आगरा में जून 3 से 7, 2019 तक अन्तर्राष्ट्रीय सभागार, डी.ई.आई. में किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन डी.ई.आई, द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एण्ड ट्रेनिंग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत किया गया। पाँच दिवसीय कार्यशाला में सी.सी.आर.टी. तथा मेवाड़ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा कक्षागत प्रयोग के लिए विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों का निर्माण करना एवं प्रयोगात्मक रूप से कक्षा में क्रियान्वित करना सिखाया गया। प्रो. अर्चना कपूर, शिक्षा संकाय प्रमुख, ने मुख्य अतिथि सुश्री बीनू, उपायुक्त, आयकर विभाग, आगरा का स्वागत किया। प्रोफेसर नंदिता सत्संगी, समन्वयक, स्कूल ऑफ एजुकेशन ने स्कूल ऑफ एजुकेशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सोना दीक्षित, कार्यशाला संयोजक ने कार्यशाला के विषय में बताया। मुख्य वक्तव्य श्री आर. के. पाण्डेय, प्राचार्य, दिल्ली

पब्लिक स्कूल, आगरा ने दिया। सुश्री बीनू ने अपने वक्तव्य में कहा कि कठपुतली प्रदर्शन कला द्वारा किया गया शिक्षण बच्चों में कल्पना शक्ति का विकास करने में उचित रूप से सहायक होगा। प्रथम सत्र में श्री आर. के. पाण्डेय, प्राचार्य, दिल्ली पब्लिक स्कूल, आगरा ने 'सी.बी.एस.ई. इनीशिएटिव्स फॉर इन्टीग्रेशन इन एजुकेशन' पर अपने वक्तव्य में 'लैसन प्लानिंग एण्ड इवैलुएशन ऑफ परफार्मिंग आर्ट इन्टीग्रेटिड एजुकेशन' पर एक अन्तःक्रियात्मक सत्र प्रस्तुत किया। तृतीय सत्र में डॉ. कल्पना गुप्ता तथा डॉ. श्वेता अग्रवाल (शिक्षा संकाय) ने ''ओरिएन्टेशन टू पपेटरी एण्ड इट्स फ्यूचर'' (इन्टीग्रेशन विद रोबोटिक्स) पर अपने विचार रखे। दूसरे दिन प्रथम सत्र में श्री प्रमोद शर्मा–सीसीआरटी, दिल्ली ने 'परफार्मिंग आर्ट्स इन्टीग्रेशन इन एजुकेशन' पर अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र में श्री ओ पी शर्मा– सीसीआरटी, दिल्ली ने 'क्रियेटिव पेपर पपेट्स एण्ड मास्क मेकिंग' पर अपने विचार प्रस्तुत किए। तीसरे सत्र में श्रीमती वंदना गुप्ता सीसीआरटी, दिल्ली ने 'शेडो पपेट्स इन क्लासरूम' पर अपने विचार प्रस्तुत किए। दिनांक 5.6.2019 को प्रथम सत्र व द्वितीय सत्र में श्रीमती वंदना गुप्ता ने पाठ योजना के विकास पर विचार प्रदर्शन के साथ प्रतिभागियों के द्वारा दी गई प्रस्तुति को अन्य विशेषज्ञों के साथ पृष्ठपोषण दिया। तीसरे सत्र में श्री ओ. पी. शर्मा जी ने 'डेवेलपमेण्ट ऑफ स्ट्रिंग पपेट्स एण्ड डिफरेंट मास्क्स फॉर क्लासरूम' पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यशाला के चौथे दिन श्री ओ. पी. शर्मा ने 'डेवेलपमैंट ऑफ लेसन प्लान्स यूज़िंग पपेटरी' पर विचार रखे। डॉ. राजेश कुमार सैनी, मेवाड़ विश्वविद्यालय, राजस्थान, श्री ओ. पी. शर्मा, श्रीमती वंदना गुप्ता, डॉ. मीनू सिंह के द्वारा विभिन्न विषयों के लिए कठपुतली के मिश्रित रूपों की पाठ योजना व क्रियान्वयन पर एक समूह कार्य सम्पादित किया गया।

कार्यशाला के पाँचवें तथा अंतिम दिन 7.6.2019 को प्रथम सत्र में डॉ. नीता शर्मा, शिक्षिका, गवर्नमेंट प्राथमिक विद्यालय तथा डॉ. कविता वर्मा जीएलए विश्वविद्यालय आदि ने हिन्दी व सामाजिक अध्ययन शिक्षण पर विचार प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र में डॉ. राजेश कुमार सैनी ने कठपुतली के सैद्धान्तिक तथ्यों के आधार पर व्यावहारिक ज्ञान किस प्रकार दिया जाए इस विषय पर व्याख्यान दिया। तीसरे सत्र में श्री मुदित पाण्डेय, एमपीएस वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन ने 'वॉयस मॉड्यूलेशन टेकनीक एण्ड पपेटरी' पर अपनी प्रस्तुति दी। अन्त में डॉ. राजेश कुमार सैनी के भाषण के द्वारा कार्यशाला का समापन हुआ। सम्पूर्ण कार्यशाला में 135 प्रतिभागियों ने शिरकत की। श्रीमती प्रतिमा सिंह, प्रोफेसर सविता श्रीवास्तव, डॉ. चेतन प्यारी, डॉ. कल्पना गुप्ता, डॉ. पारुल भल्ला, डॉ. श्वेता अग्रवाल, श्री उमेश सोन तथा श्रीमती रिंकी सत्संगी ने कार्यशाला का सफलतापूर्वक संचालन किया।

'फन्डामेण्टल्स ऑफ आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स इन एजुकेशन'
(शिक्षा में कृत्रिम बुद्धि के मौलिक सिद्धान्त) दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

''फन्डामेण्टल्स ऑफ आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स इन एजुकेशन'' विषय पर दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन मई 22–31, 2019 के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सभागार में किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला का संचालन सेन्टर फॉर आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स इन एजुकेशन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, डी.ई.आई., द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एण्ड ट्रेनिंग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत किया गया।

कार्यशाला के दस दिवसों की संक्षिप्त आख्या के अन्तर्गत प्रथम दिन प्रो. अर्चना कपूर, संकाय प्रमुख, शिक्षा संकाय ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर गुरू सरन आधार, यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ कैरोलिना, यू.एस.ए. का स्वागत किया व उनका संक्षिप्त परिचय दिया। प्रोफेसर नंदिता सत्संगी ने स्कूल ऑफ एजुकेशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. अमित गौतम, ने सेन्टर फॉर आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स इन एजुकेशन के विषय में व उसके उद्देश्यों के विषय में बताया। डॉ. नेहा जैन, कार्यशाला संयोजक ने कार्यशाला के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। प्रथम दिवस प्रथम सत्र में 'आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स–इन दी सर्विस ऑफ एजुकेशन' शीर्षक के अन्तर्गत प्रोफेसर गुरू सरन आधार, यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ

कैरोलिना, यू.एस.ए. ने अपने विचार प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र में प्रोफेसर मनु प्रताप सिंह, डिपार्टमेण्ट ऑफ कम्प्यूटर साइन्स, बी. आर. आम्बेडकर यूनिवर्सिटी ने 'कॉन्सेप्ट ऑफ आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स' पर अपने विचार प्रस्तुत किए। तृतीय सत्र में प्रोफेसर मनु प्रताप सिंह ने 'आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स एण्ड इट्स फ्यूचर आस्पैक्ट्स' पर अपने विचार प्रस्तुत किए। द्वितीय दिवस के प्रथम, द्वितीय व तृतीय सत्र में प्रो. सी. वसंता लक्ष्मी डिपार्टमेण्ट ऑफ फिज़िक्स एण्ड कम्प्यूटर साइंस ने आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स का विहंगावलोकन, प्रत्यय तथा आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स उपकरण के अनुप्रयोग पर अपने विचार रखे। तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में प्रो. एम. एम. शान्ति स्वरूप, एबोट मुम्बई ने 'बिजनेस एनालिटिक्स विद इन्डस्ट्री केस स्टडी', द्वितीय सत्र में डॉ. नेहा जैन, शिक्षा संकाय ने 'विजुअलाइज़ेशन ऑफ डेटा' व तीसरे सत्र में डॉ. नीतू सिंह, शिक्षा संकाय ने 'एजुकेशनल इम्प्लीकेशन ऑफ विजुअलाइज़ेशन ऑफ डेटा' पर अपने विचार प्रस्तुत किये। चतुर्थ दिवस के प्रथम सत्र में प्रो. गुरू सरन, विज्ञान संकाय ने 'ओवरव्यू ऑफ डेटा एनालिटिक्स' पर एवं द्वितीय सत्र में श्री एस. वी. रमन्नामूर्ति, हैदराबाद ने 'मशीन लर्निंग' पर तथा तीसरे सत्र में प्रो. पी. के. कालड़ा, आई.आई.टी. दिल्ली ने 'कम्प्यूटर विजन एण्ड इट्स एप्लीकेशन' पर अपने विचार प्रस्तुत किये। पंचम दिवस के प्रथम व द्वितीय सत्र में श्री हंस मोहन, वरिष्ठ विश्लेषक, एसेन्चर ने 'सेन्टिमेण्ट एण्ड टैक्स्ट एनालिसिस' पर अपने विचार प्रस्तुत किये तथा तृतीय सत्र में डॉ. अमित गौतम शिक्षा संकाय, दयालबाग़ ने 'एप्लीकेशन ऑफ ए.आइ. इन एजुकेशन' पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यशाला के छठे दिवस के प्रथम सत्र में श्री टी. के. राव, शिक्षा संकाय, दयालबाग़ ने 'नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग' पर व द्वितीय सत्र में डॉ. आरती सिंह, शिक्षा संकाय, दयालबाग़ ने 'नेचुरल लैंग्वेज अन्डरस्टैन्डिंग' व 'नेचुरल लैंग्वेज जेनरेशन' पर तथा तृतीय सत्र में सुश्री मुग्धा शर्मा, शिक्षा संकाय, दयालबाग़ ने 'एप्लीकेशन ऑफ नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग इन एजुकेशन' पर अपने विचार प्रस्तुत किये। सातवें दिन के प्रथम व द्वितीय सत्र में डॉ. संदीप पॉल, विज्ञान संकाय ने 'मशीन लर्निंग एज़ दि फाउन्डेशन ऑफ ए आइ' पर तथा तृतीय सत्र में श्री वी. प्रेम प्रकाश ने भी ए.आई. पर अपने मूल्यवान विचार प्रस्तुत किये।

आठवें दिन के प्रथम व द्वितीय सत्र में डॉ. अजय वर्मा, आनन्द इन्जीनियरिंग कालेज, आगरा ने इमेज प्रोसेसिंग पर व श्री बजरंग भूषण, शिक्षा संकाय, ने 'ग्रोथ एण्ड फ्यूचर ऑफ मशीन लर्निंग' पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

कार्यशाला के नौवे दिन प्रथम द्वितीय सत्र में डॉ. ए. चरन, नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी, गुरूग्राम ने 'ओवरव्यू ऑफ रोबोटिक्स तथा साइंस बिहाइंड रोबोटिक्स' पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस सत्र के बाद सभी प्रतिभागियों को टीम बनाकर कुछ खेल खेलने के अवसर दिए गए। खेल के नियमों को आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स से जोड़कर प्रस्तुत किया गया। श्रीमती आर. जेयम, शिक्षा संकाय ने 'रोबोटिक्स इन एजुकेशन' पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

कार्यशाला के सत्र के प्रथम वक्ता प्रो. गुरू सरन, विज्ञान संकाय, ने 'विजुअल डेटा एक्सप्लोरमेशन' पर अपना वक्तव्य दिया। द्वितीय सत्र में कार्यशाला की गतिविधियों के अन्तर्गत प्रतिभागियों के टीम लीडर्स के द्वारा पिछले दिन खेले गए खेल के नियमों को आर्टीफीशियल इन्टेलीजेन्स से जोड़कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद 35 मिनट का प्रतिभागियों का एक ऑनलाइन परीक्षण आयोजित किया गया। प्रो. नंदिता सतसंगी ने कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रेरित किया तथा भविष्य के लिए आशीर्वचन दिए। डॉ. अमित गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्यशाला के सफल संचालन में डॉ. आरती सिंह, श्री टी. के राव. श्री बजरंग भूषण, श्रीमती आर. जेयम, डॉ. नीतू सिंह ने सहयोग किया। कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों, विद्यालयों के 150 शिक्षक, सहायक प्रोफेसर व शोधार्थियों ने पंजीकरण कराया।

युवा संसद 2019

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने भरपूर जज़्बे को प्रदर्शित करते हुए पुनः युवा संसद प्रतियोगिता में अपने अंचल में प्रथम स्थान हासिल किया है। जिसके लिए समन्वयक डॉ. सोना आहूजा एवं उनके कार्यकारी समूह एवं संपूर्ण युवा संसद प्रतिभागियों को उनके अथक परिश्रम के लिए साधुवाद है। टीम का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है संपूर्ण डी.ई.आई. शुभेच्छा के साथ उनकी सफलता की कामना करता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के विज्ञान संकाय प्रांगण में 21 जून, 2019 को पंचम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संयुक्त रूप से एन. एस.एस. व एन.सी.सी. के तत्वाधान में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रार्थना से हुआ। योग गुरू संगीता सिन्हा, डॉ. एस. डी. सिन्हा एवं अभिनव सिन्हा ने जन समूह को योग की विभिन्न मुद्राओं द्वारा योग की शिक्षा दी। संस्थान की छात्राओं ने एन.एस. एस. लक्ष्य गीत एवं विश्वविद्यालय गान प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि श्री अजय वीर सिंह, उप निदेशक, समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश ने अपने वक्तव्य में योग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिदिन योगाभ्यास पर जोर दिया। योग विशेषज्ञ डॉ. आरती कपूर एवं प्रो. श्रीराम मूर्ति ने कहा कि योग का सम्बन्ध शरीर के साथ–साथ मन–मस्तिष्क से भी है।

मुख्य अतिथि ने लिखित प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी धुन आधार को एवं सर्वश्रेष्ठ योगासन के लिए मुख्य अतिथि सहित द्वितीय पुरस्कार कु. जुबली एवं 5 वर्ष की यशस्वी भारद्वाज को दिया। तृतीय पुरस्कार दर्शन सैनी एवं 82 वर्ष की आशा जी को मिला। विशिष्ट अतिथि संस्थान कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी जी को कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सौरभ मणि ने स्मृति चिह्न प्रदान किया। विशेषज्ञ डॉ. आरती कपूर एवं प्रो. पी. राम मूर्ति को डॉ. विभा रानी एवं संयोजक डॉ. अशोक जांगिड़ ने स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा, संस्थान कुलसचिव प्रो. आनन्द मोहन, कला संकाय प्रमुख प्रो. जे. के. वर्मा, विज्ञान संकाय प्रमुख प्रो. विभा रानी सत्संगी, समाज विज्ञान संकाय प्रमुख प्रो. कमलजीत एवं राष्ट्रीय शिक्षा योजना कार्यक्रम के समस्त अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कविता रायज़ादा ने किया और धन्यवाद डॉ. रंजीत कुमार ने किया।

संस्कृत–सुबोधिका–15 दिवसीय संस्कृत कार्यशाला

दिनांक 15 जून 2019 से 30 जून 2019 तक आई.सी. एन.सी. टॉल में एक संस्कृत–कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत विभाग की दस छात्राओं ने भाग लेकर लाभ प्राप्त किया। तकनीकी माध्यम से संस्कृत–शिक्षण द्वारा छात्रों ने भाषा को अच्छे से जाना। जिसमें संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नन्दिनी रघुवंशी ने अध्यापन किया।

'वाणिज्य, प्रबंधन, अर्थशास्त्र और समाजिक अध्ययन'– एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 17 अप्रैल 2019, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के अन्तर्राष्ट्रीय सभागार में बुधवार को 'कॉमर्स, मैनेजमेंट, इकोनॉमिक्स और सोशल स्टडीज़' विषय पर, एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा, विशिष्ट अतिथि प्रो. संजीव स्वामी समाज विज्ञान संकाय, प्रो. एन. पी. एस. चंदेल शिक्षा संकाय एवं प्रो. पूर्णिमा जैन, समाज विज्ञान संकाय, प्रो. जे. के. वर्मा कला संकाय, प्रो. एस. के. शर्मा वाणिज्य संकाय आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रार्थना द्वारा हुआ। अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी चेयरमैन प्रो. एल. एन. कोली, समन्वयक डॉ. अनीशा सत्संगी ने बताया कि देश, विदेश के लगभग 90 प्रतिभागियों द्वारा शोध पत्र पढ़े गये। स्काइप द्वारा विदेशी प्रतिभागियों भी ने शोध पत्र प्रस्तुत किये। इस अवसर पर अतिथि परिचय अंजली वासवानी एवं अभिषेक उपाध्याय ने दिया। स्वागत भाषण एवं धन्यवाद डॉ. कविता रायज़ादा ने किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. निशीथ गौड़ ने किया।

अभियांत्रिकी संकाय

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

क्रमांक / SL No : 044111963

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
पेटेंट कार्यालय
THE PATENT OFFICE
पेटेंट प्रमाणपत्र
PATENT CERTIFICATE

पेटेंट सं. / Patent No	315088
आवेदन सं. / Application No	3318/CHE/2013
फाइल करने की तारीख / Date of Filing	25/07/2013
पेटेंटी / Patentee	1.DR. RAHUL SWARUP SHARMA (ASSISTANT PROFESSOR) 2.PROF K. HANS RAJ (PROFESSOR) 3.MR. ATUL DAYAL (RESEARCH SCHOLOR)

It is hereby certified that a patent has been granted to the patentee for an invention entitled PROCESS AND APPARATUS FOR 3D CIRCULAR EQUAL CHANNEL ANGULAR PRESSING as disclosed in the above mentioned application for the term of 20 years from the 25th day of July 2013 in accordance with the provisions of the Patents Act,1970.

● संकाय के चतुर्थ वर्ष के छात्रों महक कुमार गोयल, मनीश कुमार व यश राणा द्वारा जे.एस.डब्ल्यू. एनर्जी लिमिटेड कम्पनी में समर इंटर्नशिप के दौरान पाइप लाइन में प्रयुक्त विषैली गैस का तल मापने तथा उसके रिसाव को ढूंढने के लिए रिमोट द्वारा नियंत्रित एक निरीक्षण रोबोट का निर्माण किया गया है। जो फोटो ट्रांसमीटर व सेंसर द्वारा सूचित करता है।

● अभियांत्रिकी संकाय के एम.वॉक आर.ई. के छात्र श्री अंकित प्रेमी ने कौशल भारत के **'स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स'**, भारत सरकार की सिग्मा समिट में सोलर लाइट मेंटिनेंस समिट में भाग लिया तथा प्रथम स्थान हासिल किया।

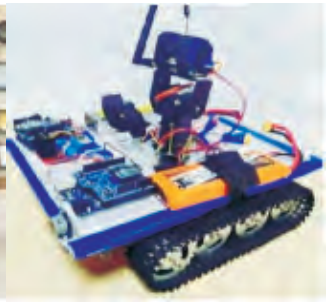

● अभियांत्रिकी संकाय के प्रोफेसर राहुल स्वरूप शर्मा, प्रोफेसर हंसराज और श्री अतुल दयाल को ''प्रोसेस एंड एपरेट्स फॉर थ्री–डी सर्कुलर इक्वल चैनल एंगुलर प्रेसिंग'' नामक अविष्कार के लिए 20 वर्ष की अवधि के लिए पेटेंट अनुदत्त किया गया है।

● कुमारी तेजना सिंह, श्री हर्ष सक्सेना तृतीय वर्ष अभियांत्रिकी को स्वच्छ भारत इंटर्नशिप 2018–19 के अंतर्गत सौ घण्टे आगरा जिला के निकटवर्ती गाँवों में कार्य करने के लिए क्रमशः प्रथम (30000/– नगद पुरस्कार) व द्वितीय (20000/– नगद पुरस्कार) स्थान प्राप्त हुआ।

कला संकाय

● डॉ. सुमन शर्मा ने भारतीय भाषा संस्थान मैसूर द्वारा संपोषित एवं **इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एण्ड एक्शन रिसर्च** द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में दिनांक 21 अप्रैल 2019 को –''कबीर के विचारों की सामाजिक एवं आध्यात्मिक उपादेयता'' विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

● हिन्दी विभाग कला संकाय की शोध छात्रा सदफ इश्त्याक़ ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, विराटनगर द्वारा आयोजित मासिक प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्हें साहित्य भूषण सम्मान 50000/– नगद राशि के साथ प्राप्त हुआ।

● डॉ. मधूलिका गौतम ने 25 से 29 जून तक क्वालालांपुर विश्वविद्यालय मलेशिया द्वारा आयोजित चौथे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन विषय–'इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इनोवेटिव अप्रोचेज़ इन एप्लाइड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजीज़' में अपने शोध पत्र की प्रस्तुति दी जिसका शीर्षक था–'क्रिएटिंग अवेयरनेस अमंग रूरल मैन रिगार्डिंग द इफेक्ट ऑफ एल्कोहल कन्ज़्यूम्शन ऑन हैल्थ।'

● गुरुपूर्णिमा के सुअवसर पर संस्कार भारती आगरा द्वारा कला गुरुओं का सम्मान किया गया। यह गौरव का विषय है कि कार्यक्रम में सम्मानित चार कला गुरुओं में से श्री गिरधारी लाल जी को पखावज वादन में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया ।

समाज विज्ञान संकाय

● प्रोफेसर स्वामी प्रकाश श्रीवास्तव का शोध प्रपत्र 'डिजिटेलाइजेशन ऑफ इण्डियन इकोनोमी– इश्यूज़, आपोरच्युनिटीज़ एण्ड चेलेन्जेज़,' इण्टरनेशनल जनरल ऑफ सोशल साइंसेज़ एण्ड डवलपमेंण्ट पोलिसी, आई.एस. एस.एन. 2454–5732 नई दिल्ली वॉल्यूम 5 नं० 1, जनवरी से जून अंक में प्रकाशित हुआ।

● बीरपाल सिंह ठैनुआं का शोध पत्र 'सोसाइटी एण्ड लाइफ अमंग द स्ट्रीट चिल्डरन– विद स्पेशल रेफरेंस टू आगरा केण्ट रेलवे स्टेशन' शृंखला एक शोधपरक वैचारिक पत्रिका पी: आई.एस.एस.एन.–2321–290 एक्स ई: आई.एस.एस.एन. –2349–980 एक्स कानपुर, वॉल्यूम 6, इश्यू 7, अप्रैल 2019 में प्रकाशित हुआ।

वाणिज्य संकाय

● प्रो. एल. एन. कोली एवं श्री अभय कांत का शोध पत्र ''चयनित कम्पनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर विलय और अधिग्रहण का प्रभाव : आर आई एल और नेटवर्क 18 विलय के पूर्व और बाद के विलय का विश्लेषण''– 'उन्नयन' इंटरनेशनल बुलेटिन ऑफ मैनेजमेंट एण्ड इकोनॉमिक्स (यूजीसी लिस्टेड जर्नल नंबर 64424) आई.एस.एस.एन. –2349–6622 ई.–आई.एस.एस.एन.– 2349–7165 वॉल्यूम : 9-अंक–जुलाई 2019 में प्रकाशित हुआ।

आर. ई. आई.

ए.टी.एस.–05 शिविर

इस शिविर में 20 एस.डी. तथा 30 जे.डी. कैडेट्स ने भाग लिया शिविर का नेतृत्व श्री लोकेन्द्र सिंह एवं विशाल सिंह द्वारा किया गया। आर. ई. आई. के सभी कैडेट्स अल्फा कंपनी में थे जो कि सर्वोच्च रहे। एस.यू.ओ विशाल सिंह को बैस्ट कैडेट एस. डी. का सम्मान मिला तथा चार्ली कंपनी सीनियर के पद पर कार्य करने का सम्मान भी प्राप्त हुआ।

प्रेम विद्यालय

सहायक अध्यापिका श्रीमती सीतारानी जी अथक 42 वर्षों तक प्रेम विद्यालय को अपनी शैक्षिक सेवाएँ प्रदान कर सेवानिवृत्त हुईं।

सत्रारम्भ 2019 छात्र संघ का संगठन चुनाव प्रक्रिया द्वारा किया गया, जिसमें हैड गर्ल एवं जूनियर हैडगर्ल, डिसिप्लिन एवं सोशल सर्विस कैबिनेट सदस्यों का चुनाव किया गया।

दिनांक 21 जून योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रेम विद्यालय के 30 कैडेट्स ने क्वीन विक्टोरिया कन्या महाविद्यालय में योगाभ्यास में भाग लिया।

दिनांक 10 जून से 9 जुलाई तक एन.सी.सी. रिफ्रेशर कोर्स में लेफ्टिनेंट सुरत प्यारी ने ग्वालियर ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

एन.सी.सी.

● 7 अप्रैल 2019 को विश्व भर में मनाये जाने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दयालबाग़ शिक्षण संस्थान की एन.सी.सी. इकाई के द्वारा आगरा के प्रसिद्ध दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह का 'डेंटल ओरल केअर एण्ड क्योर' पर एक व्याख्यान दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया।

● 31 मई को तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के एन.सी.सी. कैडेट्स ने तंबाकू निषेध रैली का आयोजन किया। जिसमें कुल 54 कैडेट्स ने भाग लिया।

● एन.सी.सी. महानिदेशालय नई दिल्ली द्वारा प्रत्येक वर्ष एन.सी.सी. की विभिन्न गतिविधियों में उच्चकोटि के योगदान के लिए देशभर के चुनिन्दा कैडेट्स और एसोसिएट एन.सी.सी. अधिकारी को एन.सी.सी. के सर्वोच्च पुरस्कार महानिदेशक प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया जाता है। वर्ष

2018 के लिए यह पुरस्कार दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट मनीष कुमार को दिया गया। एन.सी.सी. मुख्यालय में आयोजित समारोह में मुख्यालयाधिकारी ब्रिगेडियर संजय सांगवान ने लेफ्टिनेंट मनीष कुमार को प्रशस्ति पत्र तथा प्रमाणपत्र दे कर सम्मानित किया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक : ● प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक : ● प्रो. जे.के. वर्मा
सम्पादक : ● डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक : ● डॉ. निशीथ गौड़
● डॉ. सूरज प्रकाश
सम्पादन सहयोग : ● डॉ. कविता रायजादा
श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक :
● श्री अतुल सूरी
● डॉ. रचना गुप्ता
● डॉ. बीरपाल सिंह ठेनुआ
● श्री मयंक कुमार अग्रवाल
● सुश्री प्रेम प्यारी
● डॉ. अभिमन्यु
● डॉ. राजीव रंजन
● डॉ. आरती सिंह
● श्री मनीष कुमार